**उत्तर प्रदेश में चल रही रेल परियोजना**

7877. **मौलाना ओबैदुल्ला खान आजमी:** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) उत्तर प्रदेश में जारी रेल परियोजनाओं के नाम क्या हैं;

(ख) उन परियोजनाओं के नाम क्या हैं जिनमें आमान परिवर्तन का काम चल रहा है और किन-किन परियोजनाओं पर इसे किये जाने का प्रस्ताव है;

(ग) उपरोक्त कार्यों में से प्रत्येक कार्य के कब तक पूरा होने की संभावना है; और

(घ) आमान परिवर्तन के काम में तेजी लाने और उत्तर प्रदेश में रेल सुविधाओं में सुधार लाने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाये जा रहे हैं?

**रेल मंत्री (श्री सी० के० जाफर शरीफ):** (क) से (ग) ब्यौरा नीचे दिया गया है:—

| परियोजना का नाम | इन परियोजनाओं के पूरा करने की लक्ष्य तिथि |
|---|---|
| **नई लाइनें:** | |
| (i) बगहा-छितौनी लाइन | 31-12-1995 बशर्ते सहभागी अर्थात् जल संसाधन मंत्रालय, बिहार और उत्तर प्रदेश सरकार अपने हिस्से की राशि समय पर उपलब्ध करायें। |
| (ii) गुना-इटावा लाइन (उ० प्र० में 28 कि० मी०) | 31-12-1999 |
| **आमान परिवर्तन:** | |
| (i) छपरा-औंडिहार | 31-12-1995 |
| (ii) काशीपुर-लालकुंआ | कार्य रोक दिया गया है। |
| **दोहरी लाइन बिछाना** | |
| (i) रामपुर-बरेली | 31.12.1995 |

(घ) पर्याप्त धन और रेलपथ सामग्री मुहैय्या कराने पर आमान परिवर्तन सहित चालू सभी निर्माण कार्यों पर संतोषजनक प्रगति हो रही है।

**राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास के लिए गुजरात और महाराष्ट्र से प्राप्त प्रस्ताव**

7878. **श्री अनन्तराय देवशंकर दवे:** क्या जल-भूतल परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गुजरात और महाराष्ट्र की सरकारों द्वारा राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास के लिए केन्द्रीय सरकार को भेजे गए प्रस्तावों का ब्यौरा क्या है;

(ख) उपर्युक्त प्रस्तावों में से स्वीकृत किए गए प्रस्तावों तथा प्रत्येक प्रस्ताव के लिए अनुमोदित राशि का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या कुछ स्वीकृत परियोजनाओं के निर्माण कार्य में विलम्ब हो रहा है; और

(घ) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं?

**जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जगदीश टाइटलर):** (क) और (ख) राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास के लिए गुजरात सरकार द्वारा प्रस्तुत किए गए 88.43 लाख रु० के चार प्रस्ताव तथा महाराष्ट्र सरकार द्वारा प्रस्तुत किए गए 38.22 लाख रु० के चार प्रस्ताव वर्ष 1994-95 के दौरान प्राप्त हुए हैं। इनमें से किसी भी भी प्रस्ताव को मंजूरी नहीं दी गई है।

(ग) जी हां।

(घ) भूमि अधिग्रहण में आने वाली कठिनाइयां,